having regard to the availability of requisite resources, steps have been taken to introduce additional trains and also to extend the runs and augment the loads of existing trains to eliminate overcrowding and meet the requirements of passenger traffic on different routes. This is a continuing process. On all long distance Mail/Express trains, reserved accommodation is provided in all classes of travel. The entire accommodation in some selected Mail/Express long distance trains is reserved and every passenger has a reserved seat/berth.

(b) Issue of unreserved rail tickets cannot be corolated with the availability of accommodation in trains at various points. In the event of accommodation not being available in the train, however, passengers can surrender the tickets and get full refund thereon.

(c) Efforts are made to reduce the gap between demand and supply by providing more accommodation as indicated in (a) above.

पूर्वोत्तर रेलवे के अधिकारियों के भ्रष्ट तथा अनियमित कार्य

238. श्री हरिकेश बहादुर : क्या रेल मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गोरखपुर से प्रकाशित होने वाले हिन्दी साप्ताहिक "जनस्वर" के दिनांक 2 अप्रैल, 10 अप्रैल, 17 अप्रैल, 1 मई, 8 मई तथा 22 मई के अंकों में पूर्वोत्तर रेलवे के दो अधिकारियों के भ्रष्ट तथा अनियमित कार्यों तथा इस रेलवे में व्याप्त भ्रष्टाचार का समाचार प्रकाशित हुआ था ;

(ख) यदि हां, तो क्या रेल प्रशासन ने प्रकाशित आरोपों के बारे में कोई जांच कराई है ; और

(ग) यदि आरोप सही है तो उन अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की जा रही है ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दंडवते) : (क) जी हां। 'जनस्वर' नाम की एक स्थानीय हिन्दी साप्ताहिक पत्रिका ने 2 अप्रैल, 10 अप्रैल, 17 अप्रैल, 1 मई, 8 मई और 22 मई के अपने अंकों में पूर्वोत्तर रेलवे के कुछ अधिकारियों के विरुद्ध आरोप लगाये हैं और यह भी लिखा है कि उक्त रेलवे में भ्रष्टाचार फैला हुआ है। इन रिपोर्टों में किसी अधिकारी विशेष के नाम का उल्लेख नहीं किया गया है किन्तु कुछ रिपोर्टों में कुछ पदनामों का उल्लेख किया गया है।

(ख) इन आरोपों के सम्बन्ध में 'जनस्वर' के सम्पादक से और अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए रेलवे के सतर्कता विभाग द्वारा अनेक प्रयास किये गये किन्तु कोई सफलता नहीं मिली है। इस सम्बन्ध में 8 बार प्रयत्न करने के बावजूद 'जनस्वर' नामक पत्रिका के मालिक से सम्पर्क स्थापित न हो सका फिर भी सतर्कता संगठन द्वारा, इन रिपोर्टों में उल्लिखित सत्यापनीय आरोपों के सम्बन्ध में, आगे जांच की जा रही है। इस सम्बन्ध में अभी कोई और रहस्योद्घाटन करना उपयुक्त न होगा क्योंकि ऐसा करने से जांच में कठिनाई उत्पन्न हो सकती है।

(ग) अभी प्रश्न नहीं उठता। इस सम्बन्ध में आगे की कार्यवाई इस समय की जा रही जांच के परिणामों पर निर्भर करेगी।